शोध परियोजनाओं को बढ़ावा देंगे यूपीईएस–यूनिवर्सिटी आफ नाटिंघम

जागरण संवाददाता, देहरादून : अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शिक्षा क्षेत्र में साझेदारी को बढ़ावा देने की दिशा में एक कदम और उठाते हुए यूपीईएस ने यूनिवर्सिटी आफ नाटिंघम के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। यह साझेदारी छात्रों के लिए वैश्विक स्तर पर सीखने के अनुभव, अकादमिक एक्सचेंज और संयुक्त शोध परियोजनाओं को बढ़ावा देने की दिशा में की गई है।

शुरुआत में यह समझौता यूपीईएस के स्कूल आफ एडवांस्ड इंजीनियरिंग के छात्रों के लिए ग्लोबल स्टडी पाथवे और आर्टिकुलेशन प्रोग्राम तक सीमित है। लेकिन, भविष्य में इसे अन्य स्कूलों तक भी विस्तारित किया जा सकता है। यूपीईएस के इंटरनेशनलिटी प्रमुख और स्कूल आफ ला के डीन प्रो. अभिषेक सिन्हा ने कहा कि यूनिवर्सिटी आफ नाटिंघम के साथ यह साझेदारी हमारे अंतरराष्ट्रीय उत्कृष्टता की दिशा में एक अहम मील का पत्थर है। यह हमारे छात्रों और शिक्षकों को वैश्विक दृष्टिकोण से समृद्ध करेगी। हम इस साझेदारी को एक ऐसे प्लेटफार्म के रूप में विकसित करेंगे जो ज्ञान निर्माण, नवाचार और भविष्य के लीडर को तैयार करने में सहायक बने। यह समझौता दोनों विश्वविद्यालयों की ओर से दीर्घकालिक सहयोग की संभावनाओं को तलाशने और उन्हें साकार करने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह व्यवस्था दोनों प्रतिष्ठित संस्थानों के बीच आपसी सद्भाव को दर्शाती है और संभावित सहयोग के क्षेत्रों को रेखांकित करती है। जिनमें सीखने और पढ़ाने की पहल, शोध में सहयोग, छात्रों के लिए विदेश में पढ़ाई के अवसर और कई अन्य पहल शामिल हैं।

यूपीईएस एवं यूनिवर्सिटी आफ नाटिंघम के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने के दौरान यूपीईएस स्कूल आफ ला के डीन प्रो . अभिषेक सिन्हा व यूनिवर्सिटी आफ नाटिंघम के अधिकारी • सौजन्य आयोजक

- दोनों विवि के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर
- छात्रों को वैश्विक स्तर पर सीखने के अनुभव मिलेगा
- अंतरराष्ट्रीय उत्कृष्टता की दिशा में एक अहम कदम